नईदुनिया

मानसून की स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो खाद्य तेल और दालें होंगी महंगी

नई दिल्ली

खरीफ सीजन की प्रमुख फसलों की बुआई में आई कमी का असर अब बाजार में दिखाई देने लगा है। धान, दालों और तिलहन की कम बुआई के कारण आने वाले महीनों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में और बढ़ोतरी की आशंका है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मानसून की स्थिति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आम उपभोक्ता की रसोई पर महंगाई की मार का असर पड़ेगा। जून में चावल की महंगाई दर बढ़कर 1.72 फीसदी पहुंच गई, जबकि मई में यह 0.23 फीसदी थी। इसके पीछे धान की बुआई में आई गिरावट को प्रमुख कारण माना जा रहा है। 10 जुलाई तक धान का रकबा पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 8.63 फीसदी कम दर्ज हुआ।

प्रमुख फसलों की बुआई में आई कमी का असर अब बाजार में दिखने लगा

रिपोर्ट के मुताबिक दालों की स्थिति भी चिंताजनक है। तूअर (अरहर), उड़द और मूंग की बुआई में क्रमश: 30.29 फीसदी, 29.71 फीसदी और 10.62 फीसदी की कमी आई। इसका असर जून के महंगाई आंकड़ों में भी देखने को मिला। तूअर दाल की महंगाई दर -1.77 फीसदी से बढ़कर 0.85 फीसदी, उड़द 0.89 फीसदी से 2.16 फीसदी और मूंग 1.15 फीसदी से बढ़कर 1.71 फीसदी हो गई। इससे आने वाले समय में दालों की उपलब्धता और कीमतों को लेकर चिंता बढ़ गई है। तिलहन की बुआई में भी 21.1 फीसदी की गिरावट आई, जिसके चलते सरसों, सोयाबीन और सूरजमुखी जैसे खाद्य तेलों की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। वहीं ज्वार और रागी जैसे मोटे अनाज भी महंगे होने लगे हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि दालें एक मौसमी फसल हैं, इसलिए बुआई में देरी या रकबा घटने से भविष्य की आपूर्ति प्रभावित होती है। ऐसे में व्यापारी भी बेहतर कीमतों की उम्मीद में स्टाक रोककर रखते हैं, जिससे बाजार में आपूर्ति कम होती है और कीमतें बढ़ती हैं। भारत मौसम विभाग के मुताबिक इस साल मानसून सामान्य से कमजोर रहने की आशंका है। जून में औसतन करीब 40 फीसदी कम बारिश दर्ज की गई, जिससे खरीफ फसलों की बुआई पर असर पड़ा। देश के 44 फीसदी से ज्यादा जिलों में अब भी सामान्य से कम वर्षा हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौसम में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आने वाले महीनों में महंगाई और बढ़ सकती है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने डीजल, एटीएफ निर्यात पर विंडफाल टैक्स बढ़ाया, पेट्रोल पर शुल्क घटाया

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संकट, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल टैक्स (अप्रत्याशित लाभ कर) में बदलाव किया है। केंद्र सरकार ने 16 जुलाई से डीजल और विमानन ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफाल टैक्स बढ़ा दिया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क को घटाया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी (एसएईडी) के तहत पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात शुल्क में यह संशोधन किए गए हैं। डीजल के निर्यात पर लगने वाले विंडफाल टैक्स को 8.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 15.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। विमानन ईंधन के निर्यात पर भी टैक्स 7.50 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 14.50 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क 4 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 2.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इससे पहले 16 मई को पेट्रोल के निर्यात पर भी शुल्क लगाया गया था। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने 27 मार्च को डीजल और विमान ईंधन के निर्यात पर शुल्क लगाया था। इसके बाद हर पखवाड़े इसकी दरों में केंद्र सरकार संशोधन करती है। अधिसूचना में कहा गया है कि घरेलू खपत के लिए निकाले जाने वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सरकार के अनुसार, पश्चिम एशिया संकट की पृष्ठभूमि में पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्यात को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से यह अप्रत्याशित लाभ कर लगाया गया है।

किआ इंडिया सिरोस ईवी को कर सकती है भारत में लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में किआ इंडिया अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो का विस्तार करने के लिए तैयार है, और जल्द ही सिरोस ईवी को लान्च करने की योजना बना रही है। यह किआ की भारत में सबसे छोटी इलेक्ट्रिक एसयूवी होगी, जो कैरेंस क्लैविस ईवी से नीचे रखी जाएगी। इसका सीधा मुकाबला टाटा नेक्सन ईवी, मारुति ई-विटारा और महिंद्रा एक्सयूवी 400 जैसे माडलों से होगा। किआ सिरोस ईवी को 42 किलोवाट-घंटा और 51.4 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक विकल्पों के साथ पेश किया जा सकता है। यह बैटरी क्षमता हुंडई क्रेटा ईवी और किआ कैरेंस क्लाविस ईवी के समान है, लेकिन सिरोस के छोटी और हल्की होने के कारण इससे बेहतर ड्राइविंग रेंज मिलने की उम्मीद है। 42 किलोवाट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 443 किलोमीटर और 51.4 किलोवाट-घंटा बैटरी के साथ लगभग 520 किलोमीटर तक की रेंज का दावा किया जा सकता है, जो इसे अपने सेगमेंट की सबसे लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी में से एक बना देगा।

नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 मैक्स जल्द होगा लान्च

नई दिल्ली। जल्द ही भारत में मोटोरोला अपना नया स्मार्टफोन मोटोरोला एज 70 मैक्स लान्च करने जा रहा है। मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट पर एक माइक्रोसाइट के माध्यम से इसकी लान्च तिथि 15 जुलाई घोषित कर दी है। यह मोबाइल फोन देश में पहले से मौजूद एज 70 सीरीज का हिस्सा बनेगा। माइक्रोसाइट पर फोन का डिजाइन भी सामने आया है, जिसमें यह फ्लैट डिस्प्ले, पतले बेजेल और चौकोर रियर कैमरा माड्यूल के साथ हल्के नीले और हरे रंग के विकल्पों में दिखाया गया है। प्रदर्शन की बात करें तो, इसमें क्वालकाम का शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 8 जेन 5 चिपसेट होगा, जो एआई से जुड़ी एनपीयू परफार्मेंस में 46 प्रतिशत का सुधार लाने का दावा करता है। यह चिपसेट एंटुटु बेंचमार्क टेस्ट में 3 मिलियन से अधिक का स्कोर हासिल करने का दावा करता है और इसमें 12 जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम के साथ एआई प्रोसेसिंग की सुविधा भी शामिल है। बेहतर थर्मल मैनेजमेंट के लिए आर्कटिकमेश कूलिंग सिस्टम और 5500 वर्ग मिमी का वेपर कूलिंग चैंबर भी मौजूद होगा। डिस्प्ले में 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट और 7000 निट्स तक की पीक ब्राइटनेस वाला क्वाड-एचडी प्लस एलटीपीओ पैनल मिलेगा, जिसे कार्निंग गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन दी गई है। इसकी अन्य खूबियों में 95.12 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बाडी रेश्यो, डीसीआई-पी3 कलर गैमट सपोर्ट और 10-बिट कलर आउटपुट शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि यह फोन बीजीएमआई में 120 एफपीएस गेमप्ले को सपोर्ट करेगा।

आईडीबीआई बैंक की फेयरफैक्स से हो सकती है 53 हजार करोड़ की डील

यह भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा

नई दिल्ली

सरकार की लंबे समय से लंबित आईडीबीआई बैंक के विनिवेश की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने कनाडा की वित्तीय कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। करीब 5.5 अरब डालर की इस डील की घोषणा जल्द हो सकती है। यदि यह डील होती है, तो यह भारत के बैंकिंग क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक फेयरफैक्स अब 81 रुपए प्रति शेयर का आफर दे रही है, जो पिछले साल दिए गए 75 रुपए के आफर से ज्यादा है। इस कीमत पर, सरकार बैंक में अपनी 45.48 फीसदी हिस्सेदारी में से 30.48फीसदी हिस्सेदारी बेचकर करीब 26,620 करोड़ रुपए जुटा सकती है। सरकारी कंपनी लाइफ इंश्योरेंस कारपोरेशन (एलआईसी), जिसके पास बैंक की 50 फीसदी से थोड़ी कम हिस्सेदारी है, वह भी 30.24 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की योजना बना रही है। इससे डील का कुल साइज 53,000 करोड़ रुपए हो जाएगा और यह किसी भारतीय बैंक में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा।

फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स का नेतृत्व भारतीय मूल के उद्योगपति प्रेम वत्स कर रहे हैं, वत्स ने अपने करियर की शुरुआत 1974 में कन्फेडरेशन लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से की, जहां उन्होंने निवेश और पोर्टफोलियो प्रबंधन का अनुभव हासिल किया। कुछ वर्षों बाद उन्होंने अपनी निवेश सलाहकार कंपनी स्थापित की और 1985 में फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स की नींव रखी। आज यह कंपनी वैश्विक स्तर पर बीमा और निवेश क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में गिनी जाती है। भारत में भी फेयरफैक्स ने कई बड़े निवेश किए हैं। कंपनी की हिस्सेदारी सीएसबी बैंक, आईआईएफएल कैपिटल और बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे में है। इसके अलावा फेयरफैक्स की मौजूदगी उत्तर अमेरिका और यूरोप के कई देशों में भी है।

शक्ति पंप्स और सेल्सफोर्स की साझेदारी, एआई से बदलेगा कृषि कारोबार का स्वरूप

इंदौर। सोलर पंप निर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने डिजिटल बदलाव को गति देने के लिए सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस पहल के जरिए कंपनी एआई आधारित तकनीक का उपयोग कर अपने बिक्री, सेवा, मार्केटिंग और फील्ड आपरेशंस को अधिक स्मार्ट और डेटा आधारित बनाएगी। कंपनी के अनुसार, इस साझेदारी से किसानों, डीलर्स और सेवा नेटवर्क के साथ बेहतर समन्वय स्थापित होगा। सेल्सफोर्स के एआई प्लेटफार्म की मदद से रियल टाइम डेटा, पर्सनलाइज्ड कम्युनिकेशन, तेज आफ्टर सेल्स सर्विस और बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित की जाएगी। सोलर पंप निर्माता से एग्री-टेक पार्टनर बनने की तैयारी शक्ति पंप्स ने कहा कि यह पहल कंपनी के उस विजन का हिस्सा है, जिसके तहत वह सोलर पंप निर्माता से आगे बढ़कर एक व्यापक एग्री-टेक पार्टनर के रूप में अपनी भूमिका मजबूत करना चाहती है। एआई आधारित आटोमेशन, प्रेडिक्टिव इनसाइट्स और स्मार्ट फील्ड आपरेशंस के माध्यम से कंपनी उत्पादकता बढ़ाने और ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रमेश पाटीदार ने कहा कि किसानों के लिए व्यापक एग्री-टेक समाधान विकसित करने में तकनीक और एआई की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। सेल्सफोर्स के साथ साझेदारी कंपनी को बिक्री, सेवा, मार्केटिंग और फील्ड आपरेशंस को एकीकृत स्मार्ट प्लेटफार्म पर लाने में मदद करेगी। कंपनी के चीफ डिजिटल एंड इंफार्मेशन आफिसर राजेश पोतदार ने कहा कि कृषि का भविष्य स्वच्छ ऊर्जा, स्मार्ट तकनीक और डेटा आधारित फैसलों पर निर्भर करेगा। यह साझेदारी किसानों, भागीदारों और ग्रामीण समुदायों के लिए अधिक मूल्य सृजन में सहायक होगी। सेल्सफोर्स इंडिया के रीजनल वाइस प्रेसिडेंट विनय भट ने कहा कि एआई आधारित स्मार्ट आपरेशंस और बेहतर ग्राहक अनुभव भविष्य के कारोबार की दिशा तय करेंगे।

एक साल से भी कम समय में ग्रो ने मारी बाजी, दर्ज किया शानदार मुनाफा

नई दिल्ली

लंबे समय से शीर्ष पर काबिज एंजेल वन को पछाड़कर नंबर वन का ताज हासिल किया

भारतीय कमोडिटी डेरिवेटिव मार्केट में एक बड़ा उलटफेर हुआ है। ब्रोकिंग प्लेटफार्म ग्रो ने लंबे समय से शीर्ष पर काबिज एंजेल वन को पछाड़कर नंबर वन का ताज हासिल कर लिया है। यह बदलाव वित्तीय वर्ष 2026 की पहली तिमाही के आंकड़ों के साथ 15 जुलाई को सामने आया है, जहां ग्रो ने नोशनल एवरेज डेली टर्नओवर (एनएडीटी) के मामले में एंजेल वन को मात दी है। जारी वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रो का नोशनल एवरेज डेली टर्नओवर 2.43 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जबकि एंजेल वन का टर्नओवर 2.37 लाख करोड़ रुपये रहा।

नोशनल टर्नओवर किसी प्लेटफार्म पर एक दिन में हुए कुल सौदों की औसत वैल्यू को दर्शाता है, जो बाजार में कंपनी की गतिविधि और प्रभाव को दर्शाता है। दिलचस्प बात यह है कि ग्रो ने कमोडिटी कारोबार में बहुत पहले एंट्री नहीं की थी। कंपनी ने जुलाई 2025 में चुनिंदा ग्राहकों के लिए यह सेवा शुरू की थी और सितंबर तक इसे सभी यूजर्स के लिए खोल दिया। यानी एक साल से भी कम समय में ग्रो ने उस बाजार में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जहां एंजेल वन लंबे समय से सबसे बड़ा खिलाड़ी माना जाता था। इस तेजी के पीछे ग्राहकों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में कंपनी के कमोडिटी प्लेटफार्म पर सिर्फ 27 हजार ग्राहक थे, जो जून 2026 के अंत तक बढ़कर 4.35 लाख हो गई। आंकड़ों के मुताबिक पहली तिमाही में ग्रो की कमोडिटी मार्केट में हिस्सेदारी 28.6 फीसदी रही, वहीं एंजेल वन की हिस्सेदारी करीब 26.5 फीसदी रही। इस मामले में जेरोधा लगभग 12 फीसदी हिस्सेदारी के साथ तीसरे स्थान पर है। कमोडिटी कारोबार का असर अब ग्रो की कमाई पर भी साफ दिख रहा है।

अप्रैल से जून 2026 की तिमाही में कंपनी की कुल आय का 4.9 फीसदी हिस्सा कमोडिटी बिजनेस से आया। ग्रो की पैरेंट कंपनी बिलियनब्रेंस गैराज वेंचर्स ने जून 2026 तिमाही में 735 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 94 फीसदी ज्यादा है। इसी दौरान कंपनी का आपरेशन से रेवेन्यू भी 66 फीसदी बढ़कर 1,501 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी का जून में निराशजनक प्रदर्शन

नई दिल्ली। कार निर्माता स्वदेशी कंपनी महिंद्रा की इलेक्ट्रिक पेशकश एक्सयूवी400 ईवी के लिए जून 2026 का महीना खासा निराशाजनक रहा इस माडल की केवल 31 इकाइयां बिकीं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि (जून 2025 में 231 इकाइयां) की तुलना में लगभग 87 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्शाती है। महिंद्रा एक्सयूवी400 ईवी अपने आधुनिक और आकर्षक डिजाइन के लिए जानी जाती है, जिसमें बंद ग्रिल, महिंद्रा का तांबे जैसी आभा वाला प्रतीक चिन्ह और आकर्षक एलईडी हेडलैंप इसे अलग पहचान देते हैं। वाहन के भीतर प्रीमियम अनुभव देने वाला केबिन मिलता है, जिसमें 10.25 इंच का स्पर्श आधारित सूचना एवं मनोरंजन तंत्र, पूर्णत: डिजिटल चालक सूचना पटल, बिना तार के एंड्रायड आटो और एप्पल कारप्ले की सुविधा, तथा दो हिस्सों वाला स्वचालित तापमान नियंत्रण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह ईवी दो बैटरी विकल्पों (34.5 किलोवाट-घंटा और 39.4 किलोवाट-घंटा) के साथ आती है, जो क्रमश: 375 किलोमीटर और 456 किलोमीटर तक की प्रमाणित रेंज देती है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में लगातार चौथे दिन शुरुआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 790 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 320 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 340 रुपये प्रति 10 ग्राम की तेजी दर्ज की गई है।

भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,43,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,31,810 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,43,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,31,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,730 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,31,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,43,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,31,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी फिलहाल बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

महंगाई के मोर्चे पर राहत मिलने के संकेत के कारण अमेरिकी बाजार में कल इन्वेस्टर सेंटीमेंट पाजिटिव बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 150.91 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,659.18 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,572.40 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 159.74 अंक यानी 0.61 प्रतिशत उछल कर 26,266.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर फिलहाल 0.07 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,697.98 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

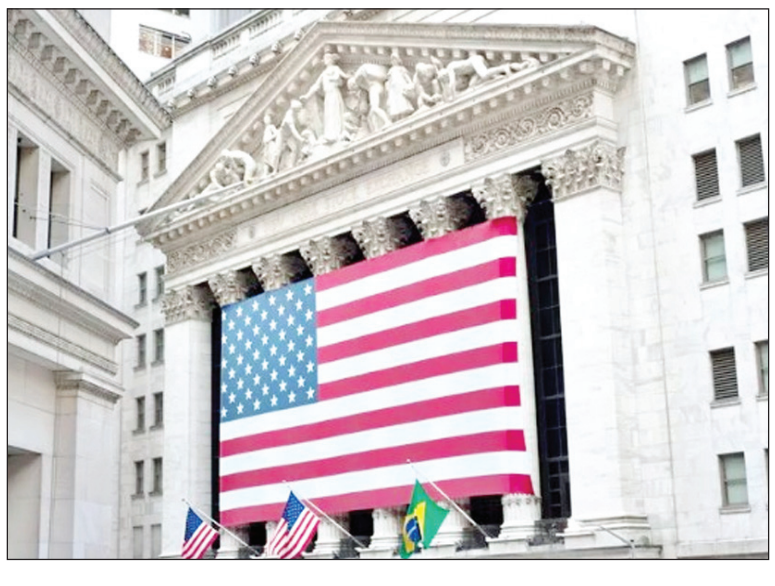

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,515.92 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 147.50 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,999.53 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स पूरे सत्र में दबाव में कारोबार करने के बाद आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,382.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। निक्केई इंडेक्स फिलहाल 1,556.51 अंक यानी 2.26 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 67,195 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.82 प्रतिशत टूट कर 3,923.20 अंक के स्तर पर आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में बिकवाली का चौतरफा दबाव बना हुआ है, जिसकी वजह से यह सूचकांक फिलहाल 418.27 अंक यानी 5.74 प्रतिशत लुढ़क कर 6,866.14 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.53 प्रतिशत फिसल कर 5,530.48 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 103 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,145 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स भी 0.43 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,637.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 473.90 अंक यानी 1.88 प्रतिशत उछल कर 25,155 अंक के स्तर पर आ गया है।